महत्वपूर्ण एवं खास

पति से विवाद के बाद पत्नी ने लगा ली आग

कोरबा । मोबाइल पर अज्ञात नंबर से आने वाले कॉल को लेकर दिक्कतें हो सकती हैं और इसे लेकर संदेह भी किया जा सकता है। प्रेम विवाह करने वाली पूजा ने इस बात को लेकर पति सूरजभान से विवाद किया और कुछ घंटे बाद कमरे में बंद कर खुद को आग लगा ली। पत्नी को बचाने के प्रयास में पति भी झुलस गया। पीड़िता का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। इस मामले में पति पत्नी का यह दूसरा विवाह है। 4 वर्ष पहले सूरजभान ने पूजा से विवाह किया था। बताया गया कि 1 दिन पहले उसके फोन पर अज्ञात नंबर से कॉल आया और यहां से ही समस्या शुरू हुई। पत्नी को ऐसा संदेह था कि किसी से अफेयर है इसलिए कॉल आ रहे हैं। सूरजभान ने बताया कि संदेह दूर करने के लिए वह अपना फोन घर पर ही छोड़ कर चला गया। कुछ घंटे बाद उसे पत्नी नहीं घर आने को कहा और उसके आने से कुछ देर पहले पहले कमरे में अग्नि स्नान कर लिया। दरवाजा तोडक़र सूरजभान ने उसे बचाया। इस दौरान उसके हाथ जल गए। आनन-फानन में पीड़िता को कोरबा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लगभग 70 प्रतिशत जलि पूजा का उपचार यहां बर्न यूनिट में चल रहा है। जिला अस्पताल प्रबंधन ने इस बारे में पुलिस को जानकारी दे दी है।

स्पंज फेस-2 कंपनी में हादसा, लोहे की चिमनी ट्रेलर पर गिरी, चालक घायल

रायपुर(आरएनएस)। सिलतरा में अग्रवाल स्पंज फेस-2 कंपनी में 21 अप्रैल को हुए एक हादसे में ट्रेलर वाहन का चालक घायल हो गया। पुलिस ने इस मामले में कंपनी प्रबंधक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अग्रवाल स्पंज फेस-2 कंपनी में खड़ी ट्रेलर वाहन पर 21 अप्रेल को रात करीब 9.45 बजे लोहे की चिमनी गिर गया। चिमनी ट्रेलर के केबिन के ऊपर गिरा जिससे केबिन में सो रहा ड्राइवर जलाराम घायल हो गया। घटना के समय जलाराम के साथ केबिन में हेमाराम 41 वर्ष भी सो रहा था। हेमाराम की रिपोर्ट पर ही पुलिस ने कंपनी प्रबंधक के खिलाफ धारा 287, 337 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के प्रबंधकों का मासिक वेतन 20 हजार हुआ

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर की पहल पर प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के प्रबंधकों का मासिक पारिश्रमिक 12 हजार 500 रूपए से बढ़ाकर 20 हजार रूपए मासिक किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक संजय शुक्ला ने बताया कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के प्रबंधकों के मासिक पारिश्रमिक में वृद्धि की गई है।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत दिया जाएगा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत जिले के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में रोजगारोन्मुखी नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाना है। जिले की व्हीटीपी संस्थाओं में अलग-अलग पाठ्यक्रमों में दिए जाने वाले प्रशिक्षण का विवरण इस प्रकार है। असिस्टैंट इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण पॉलीटेक्निक रूद्री, आईटीआई मगरलोड और आईटीआई धमतरी में दिया जाएगा जिसकी अवधि 400 घण्टे है और शैक्षणिक योग्यता 10 उत्तीर्ण होनी चाहिए। आईटीआई कुरूद तथा आईटीआई सिहावा में लाइट मोटर व्हीकल ड्राइवर लेवल-3 का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसकी अधिक 200 घण्टे की होगी। इसी तरह आईटीआई करेली बड़ी तथा अलशम्स इन्फोटेक कॉलेज नगरी में डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसकी अवधि 400 घण्टे की होगी।

हवाई हमले के विरोध में ग्रामीणों का जारी है लगातार विरोध प्रदर्शन

❑ **प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हवाई हमले की सत्यता जांचने की जहमत तक नहीं उठाई मंत्री लखमा ने, चुनाव से पहले लखमा के कैम्प हटाने का वादा झूठा निकला**

बीजापुर (आरएनएस)। पुलिस की तरफ से जारी बयान में सुकमा के जंगल में हवाई हमले की घटना से साफ इंकार के बावजूद बीजापुर की सरहद से लगे जगरगुंडा और पामेड़ इलाके के दर्जनों गांव के ग्रामीण हवाई हमले से हुए सुराख और अवशेषों को प्रमाण बताते हुए हमले के विरोध में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। विरोध के बीच अपने नेताओं से नाराज ग्रामीणों का यह भी कहना था कि 2023 चुनाव में नेताओं का बहिष्कार करेंगे, बल्कि उनकी जगह गांव-गांव में ग्राम सभा कर अपना नेतृत्व खुद चुनेंगे। ग्राम बोडक़ेल में हुए प्रदर्शन में मंत्री कवासी लखमा के विरूद्ध बयानबाजी के बाद सुकमा के जंगरगुंडा और बीजापुर के पामेड़ से लगे इलाके में आगामी विधानसभा चुनाव में इसका क्या प्रभाव पड़ता है, आने वाले समय में ज्ञात होगा, या अपराजेय कवासी लखमा ग्रामीणों की नाराजगी दूर करने में सफल होकर अपराजेय बने रहने में सफल रहते हैं यह देखा जाना बाकी है। ग्रामीणों के प्रर्दशन स्थल पर नक्सलियों की शैली में विरोध के पोस्टर तगाये गये थे, ग्रामीणों को आगे कर हवाई हमले का विरोध करवाने की नई रणनीति पर नक्सली इन दिनों काम करते दिख रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोडक़ेल गांव में हुए प्रदर्शन में हवाई हमले के विरोध में सुकमा के विधायक और प्रदेश के आबकारी मंत्री कवासी लखमा पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि घटना की सत्यता जांचने की जहमत तक लखमा ने नहीं उठाई। जबकि चुनाव से पहले लखमा कहते थे, कि कैम्प हटाए जाएंगे, आदिवासी इलाकों का विकास होगा, किसी तरह की ज्याददती नहीं होने देंगे, उनकी इन बातों को सुनकर ही गांव के लोगों ने उन्हें वोट दिया था, लेकिन चुनाव के बाद लखमा के सुर बदल गए हैं। जनता से उन्होंने जो वायदे किए वो झूठे साबित हुए हैं।

ग्रामीणों का कहना था कि महुआ के सीजन में महुआ फुलों की रखवाली के लिए आधी रात उठकर उन्हें जंगल जाना पड़ता है, ताकि मवेशियों का झुण्ड मंहुए के फुल चट कर ना जाए, इसी दौरान आसमान से बम बरसेंगे तो उनके साथ मवेशियों की जानें भी जा सकती हैं। नक्सली उन्मूलन के नाम पर इस तरह की बमबारी से आदिवासी, जंगल, गांव तबाह हो जाएंगे। ऐसी स्थिति बरकरार रही तो हमारे सामने पलायन छोड़ कोई विकल्प नहीं होगा।

गौरतलब है कि इससे पहले भी 22 अप्रेल को जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र के बुर्कलंका इलाके में ग्रामीणों ने हवाई बमबारी करने का पुरजोर विरोध किया था। इस दौरान नक्सलियों की जन चेतना नाट्य मंडली के सदस्य भी वहां मौजूद थे, जिन्होंने नाच-गाने के साथ हवाई हमले का विरोध किया। नक्सलियों के हवाई हमले के आरोपों को लगातार बस्तर आईजी सुदरराज पी. एक सिरे से खंडन करते हुए उन्होने कहा था कि नक्सलियों की जन चेतना नाट्य मंडली के सदस्यों की मौजूदगी से स्पष्ट है कि ग्रामीणों को गुमराह कर विरोध दर्ज करवाने का काम नक्सलियों के द्वारा किया जा रहा है।

रेशमी धागों से संवर रही जिंदगी : बिहान में कोसा धागाकरण बना आय का जरिया

❑ **स्व-सहायता समूह की मासिक आय 70 हजार रूपए से ज्यादा**

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं और उन्हें रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसकी एक बानगी कोरबा में देखने को मिलती है, जहां महिलाएं रेशम के धागों से अपनी जिंदगी की कहानी नए सिरे से बुन रही हैं। यहां राष्ट्रीय आजीविका मिशन बिहान के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाएं कोसा फल से धागे निकालकर उन्हें रेशम बैंक में बेच रही हैं और हर महीने 70 हजार रुपये से ज्यादा लाभ कमा रही हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने अनेक प्रयास कर रही है। राज्य सरकार गांव के विकास से छत्तीसगढ़ के विकास को दृष्टिगत रखते हुए काम कर रही है। इसी कड़ी में महिलाओं को आर्थिक रूप से संबल और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इन सरकारी प्रयासों से का परिणाम है कि कभी आर्थिक तंगी से जूझ रहीं कोरबा जिले के कटघोरा ब्लॉक की महिलाएं अब परिवार को आर्थिक रूप से मदद करने में सक्षम हो चुकी हैं। यहां ग्राम पंचायत सलोरा (क) की महिलाओं ने स्व-सहायता समूह बनाकर काम करना शुरू किया। स्व-सहायता समूह की इन महिलाओं को रेशम विभाग द्वारा कोसा से रेशम धागा निकालने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा विभाग की ओर से धागा निकालने के लिए कोसा धागाकरण मशीन भी दिया गया।

स्व-सहायता समूह से जुड़ीं संतोषी बाई तंवर ने बताया कि समूह की प्रत्येक सदस्य दिन में 200 से 250 रूपये तक का कोसा धागा निकाल लेती हैं। इस प्रकार समूह की 10 महिलाएं एक महीने में 70 हजार रूपये से ज्यादा का कोसा धागा निकालकर रेशम बैंक में बेच रही हैं। विभागीय सहयोग से मिले मशीन से महिलाओं का कोसा धागा निकालने का काम भी सरल हो गया है। रेशम बैंक, रेशम विभाग द्वारा समूह की महिलाओं को कोसा से धागा निकालने के लिए कोसा फल दिये जाते हैं। समूह की सदस्यों का कहना है कि कोसा धागाकरण कार्य से वह आत्मनिर्भर हो गई हैं और स्वाभिमानी जीवन व्यतीत कर रही है। यह सब बिहान योजना की देन है। बिहान योजना से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में खुशहाली आ रही है।

तकनीकी विकास कार्यक्रम : एनआईसी छत्तीसगढ़ के डीआईओ हुए शामिल

रायपुर (आरएनएस) । एनआईसी छत्तीसगढ़ के डीआईओ के लिए दो दिवसीय तकनीकी विकास कार्यक्रम का आयोजन गत दिनों नवा रायपुर के महानदी भवन मंत्रालय में किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने मां सरस्वती की वंदना व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में मासिक कार्य रिपोर्ट (एमडब्ल्यूआर) का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर संजय कपूर (उप महानिदेशक और राज्य समन्वयक, एनआईसी नई दिल्ली), डॉ अशोक कुमार होता (राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी), टी.एन. सिंह (अतिरिक्त एसआईओ (राज्य), ए.के. सोमशेखर (अतिरिक्त एसआईओ (जिला)) और पी रामाराव (अतिरिक्त एसआईओ (जिला)) उपस्थित थे। कार्यक्रम में डॉ. बी.के.मूर्ति, सीईओ, इनोवेशन सेल, आईआईटी भिलाई ने डिजिटल गवर्नेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व को समझाते हुए तकनीकी सत्र की शुरुआत की। एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी भिलाई डॉ. गगन राज गुप्ता ने डेटा एनालिटिक्स फॉर सिटीजन फ्रेंडली गवर्नेंस की विस्तृत जानकारी दी। तकनीकी सत्र में आईटी और सिस्टम आईआईएम-रायपुर के प्रोफेसर डॉ. सुमीत गुप्ता ने सरकारी प्रणाली के लिए ब्लॉकचैन स्ट्रैटेजी के निर्माण की आवश्यकता के संबंध में बताया।

एक नक्सली क्रांतिकारी आदिवासी बालक संगठन का अध्यक्ष गिरफ्तार

बीजापुर (आरएनएस)। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षाबलों ने एक नक्सली क्रांतिकारी आदिवासी बालक संगठन का अध्यक्ष रैनु आयाम को गंगालूर इलाके से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली के लिए तात्कालीन पुलिस अधीक्षक द्वारा 10 हजार का इनाम घोषित किया गया था। थाना गंगालूर में रैनु आयाम के विरूद्ध 08 स्थाई वारंट लंबित है, 03 अपराध विवेचनाधीन है। थाना गंगालूर में कार्यवाही के उपरांत आज न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे जेल दाखिल कर दिया गया है।

गिरफ्तार नक्सली रैनु आयाम पर 10 से ज्यादा नक्सली घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है, जिसमें 25 जून 2020 को मुनगा में पुलिस पार्टी पर फायरिंग में शामिल था। 03 जुलाई 2020 को कोरचोली में आईईडी ब्लास्ट में शामिल था। 06 अगस्त को सावनार में पुलिस पार्टी पर फायरिंग में शामिल था। 30 अक्टूबर 2020 में तोडक़ा मुकापारा में पुलिस पार्टी पर फायरिंग में शामिल था। 20 दिसंबर 2020 को सहायक आरक्षक पर धारदार हथिया से हमला में शामिल था। 30 दिसंबर 2020 को पेद्दापारा में प्रेशर आईईडी ब्लास्ट में शामिल था। 05 जनवरी को हिरमागुड़ा में पुलिस पार्टी पर फायरिंग में शामिल था। 02 फरवरी 2021 को तोडक़ा नदी के पास आईईडी ब्लास्ट और फायरिंग उप निरीक्षक मुरली ताती की हत्या में शामिल था। 06 जनवरी को गंगालूर में सडक़ खोदने की घटना में भी शामिल था।

मुफ्त का माल नहीं मिलने पर चोर गिरोह ने किया बोलेरो पर पथराव

❑ **वाहन में सवार कर्मी बाल-बाल बचे**

कोरबा । एसईसीएल की खदानों से चोरियां जारी है और रोकने के लिए कड़ाई भी की जा रही है। सुरक्षा तंत्र ने सख्ती बरतने के साथ चोरों को उल्टे पैर लौटाने की तैयारी की है। चोरी में नाकाम चोरों के गिरोह ने दीपका में एसईसीएल की शिफ्ट गाड़ी पर पथराव कर उसे नुकसान पहुंचाया। गनीमत यह रही कि वाहन में सवार कर्मी बाल-बाल बच गए।

एसईसीएल की दीपका माइंस के टीआरएस रडार क्षेत्र में सोमवार की रात 11.40 बजे यह घटना हुई। खबर के अनुसार चोरों को रोकने के लिए प्रबंधन के द्वारा आक्रामक रूख अपनाया जा रहा है। सीआईएसएफ और विभागीय सुरक्षा को इसके लिए कड़े निर्देश दिए गए हैं और मौके पर प्रभावी काम करने को कहा गया है। इसके अंतर्गत रात्रि में उन इलाकों में सतर्कता बरती जा रही है, जहां अक्सर डीजल चोर उचक्के पहुंचा करते हैं। बताया गया कि चोरों के आने की आशंका को लेकर सुरक्षा तंत्र पहले से यहां मौजूद था और सक्रिय भी बना था। इस दरम्यान बोलेरो, पिकअप और टेंपर वाहन में चोरों की आमद हुई। अपने सामने बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों को तैयारी के साथ देखने से उनके होश गुम हो गए। इस चक्कर में टीआरएस रडार इलाके के आगे चोरों के जाने की योजना नाकाम हो गई और उन्हें मायुस होकर लौटना पड़ा। मुफ्त का माल नहीं मिलने से बौखलाकर चोरों ने जम्मू कश्मिर के पैटर्न पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान एसईसीएल की माइनिंग शिफ्ट गाड़ी संख्या सीजी 12 एजेड 8738 के पीछे हिस्से का कांच टूट गया। कर्मचारियों को किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि जिन वाहनों में चोरों की पहुंच यहां हुई थी, उनकी जानकारी कैमरे में आ गई है। इस बारे में अगली कार्रवाई करने की प्लानिंग की जा रही है।

कई मामलों में कोरबा जिला सबसे अलग है, जहां के मामले लोगों को चौकाते हैं। एसईसीएल की दीपका माइंस में पिछले वर्ष सुरक्षा कर्मियों की गोली से एक चोर की मौत हो गई थी। वह रात्रि में खदान क्षेत्र में मौजूद था। सुरक्षा कर्मी ने उसे चेतावनी दी जिस पर कोई खास प्रतिक्रिया नहीं हुई। जिसके बाद सुरक्षा कर्मी ने फायर किया और गोली से उसकी मौत हो गई। यह घटना रात को लगभग डेढ़ बजे के आसपास हुई थी। अगली सुबह इसे लेकर हाय-तौबा शुरू हो गई और एसईसीएल के खनन क्षेत्र में हुई घटना पर तरह.तरह से बयानबाजी का दौर शुरू हो गया। तर्क दिया गया कि जो व्यक्ति मरा वह अपनी मवेशी को चराने ले गया था। इस पर सवाल भी खड़े हुए लेकिन हुआ कुछ नहीं। समझा जा सकता है कि किस श्रेणी के मवेशी इतनी रात को चारागाह में रहती होंगी।

अशोक वाटिका को आकर्षक लुक देने के लिए कार्य शुरू

❑ **वाकिंग ट्रैक सहित कई सुविधाएं होंगी विकसित**

कोरबा । औद्योगिक शहर कोरबा की अशोक वाटिका को आकर्षक लुक देने के लिए काम शुरू कर दिया गया है। नगर निगम कोरबा ने वर्ष 2000 द्द 23 के बजट में इस काम के लिए 10 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया है। आने वाले समय में यहां पर कई बदलाव लोगों को देखने को मिलेंगे।

प्रशासन और वन विभाग के द्वारा कई मौकों पर अशोक वाटिका का निरीक्षण इसी उद्देश्य से किया जा चुका है कि इसे बेहतर स्थिति में आखिर कैसे लाया जाए। लगातार हो रही कोशिशों के बाद आखिरकार अशोक वाटिका का कायाकल्प करने को लेकर नगर निगम में अपने बजट में इसके लिए 10 करोड़ की राशि का प्रावधान किया। और एक तरह से वित्तीय समस्या को समाप्त कर दिया। रास्ता साफ होने के साथ अगले काम शुरू कर दिए गए हैं।

अशोक वाटिका के लंबे चौड़े परिसर की सफाई करते संसाधन और श्रमिक यहां पर नजर आए। सफाई के दौरान यहां से मिल रही सूखी लकडियों को आसपास के लोगों ने अपने लिए एकत्रित भी किया ताकि ईंधन की व्यवस्था हो सके। मौके पर काम कर रहे लोगों ने बताया कि यहां पर हरियाली बिखेरी जानी है और कई प्रकार के काम कराए जाने हैं। इसलिए शुरुआती स्तर पर यहां की सफाई कराई जा रही है।

कई दशक पहले अशोक वाटिका का विकास वन विभाग के द्वारा किया गया था। तब से अब तक यहां वन विभाग के द्वारा प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण से संबंधित गतिविधियां चलाई जा रही थी। अशोक वाटिका मैं प्रतिदिन सुबह.शाम शुद्ध हवा के संपर्क में आने के लिए लोगों की उपस्थिति दर्ज होती है इस नाते जरूरत महसूस की जा रही थी कि यहां पर वाकिंग ट्रेक तैयार किया जाए और अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएं। खबर के अनुसार 10 करोड़ की राशि से जरूरी विकास कार्य इस परिसर में संपादित कराए जाएंगे। संभव है कि आने वाले दिनों में अशोक वाटिका की तस्वीर लोगों को

विश्व मलेरिया दिवस: मलेरिया को जड़ से मिटाने विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोरबा । विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर 25 अप्रैल को मलेरिया को जड़ से मिटाने के लिए जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नागरिकों को मलेरिया के प्रति जागरूक करने और इस रोग से बचाव और सावधानी के लिए लोगो का ध्यान आकर्षित करने की पहल की गई।

इस अवसर पर भारत से मलेरिया दूर करने तथा वर्ष 2030 तक छत्तीसगढ को मलेरिया मुक्त करने के लिए सब मिलकर काम करने के संदेश के साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर, बैनर आदि के द्वारा मलेरिया से बचाव के संदेशों का प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही सभी स्वास्थ्य केन्द्रो में मलेरिया से बचने के तरीके और उपचार के बारे में लोगो को जानकारी दी गयी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिको से मलेरिया के लक्षणो का अनुभव होने पर तुरन्त चिकित्सक से संपर्क करने तथा खून जांच कराने की अपील की गयी। खून जांच एवं मलेरिया रोधी दवा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में नि:शुल्क उपलब्ध है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.बी. बोडे ने बताया कि मच्छरों के कारण फैलने वाली इस बीमारी में हर साल कई लोग अपनी जान गवा देते हैं। मलेरिया प्रोटोजुवन प्लाज्मोडियम नामक किटाणु मादा एनाफिलीज मच्छर के माध्यम से फैलते है। ये मच्छर एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे तक संक्रमण फैलाने का काम भी करते है। मलेरिया एक वैश्विक जन स्वास्थ्य समस्या है। इससे बचने के लिए घर के आस-पास नालियों में पानी जमा नही होने देना चाहिए जिससे मच्छर ना पनप पाये।

इसी उपक्रम मे जिला मुख्यालय एवं सभी विकासखण्डों में आज 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। जिसमें मलेरिया रोग से बचाव एवं रोकथाम के बारे में लोगो को जागरूक एवं इसके दुष्प्रभावों के बारे में अवगत कराया गया। मलेरिया के संक्रमण को रोकने के प्रति किये गये कोरबा जिले के कार्यो एवं उसकी उपलब्धि से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.बी. बोडे एवं जिला मलेरिया नोडल अधिकारी डॉ. कुमार पुष्पेश द्वारा विगत 05 वर्षों के आंकड़ो की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये गये प्रचार-प्रसार ग्रामीण स्तर पर डी.डी. टी. छिडक़ाव, मच्छरदानी वितरण एवं उपचार से मलेरिया वार्षिक परजीवी सूचकांक 2017 मे 2.97 था, जो घटकर वर्ष 2021 मे 0.12 हो गया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुम सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी तकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के द्वारा सामाजिक उन्नयन अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में जानकारी किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् उच्च पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU